जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 24, दिसंबर 2020

जामिया के सहायक प्रोफेसर ने कोविड -19 पर एक महत्वपूर्ण शोध पुस्तक का संपादन किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कंप्यूटर विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर, डा. खालिद रज़ा ने कोविड -19 महामारी पर एक महत्वपूर्ण पुस्तक संपादित की है, जिसे सिंगापुर की प्रतिष्ठित शोध श्रृंखला 'स्प्रिंगर' में प्रकाशित किया गया है।

इस किताब का शीर्षक है, "कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस मेथड्स इन कोविड -19ः सर्विलेंस, प्रिवेंशन, प्रीडिक्शन एंड डायग्नोसिस"। इसे कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस सीरीज (एच-इंडेक्स = 62) के 923 वें खंड में जगह दी गई है।

जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख़्तर ने कोविड -19 के खिलाफ लड़ने के लिए, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस के प्रयोग की दिशा में योगदान करने पर, डॉ. रज़ा को बधाई दी है।

कोविड -19 को समझने और उससे लड़ने के लिए प्रयासरत, इस पुस्तक के योगदानकर्ता शोधकर्ता, जामिया और दुनिया भर के अन्य प्रतिष्ठानों के अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं। यह वॉल्यूम कंप्यूटर और डेटा वैज्ञानिकों, महामारी विज्ञानिकों, रेडियोलॉजिस्ट, डॉक्टरों, चिकित्सकों के साथ-साथ विज्ञान के क्षेत्र में मल्टीडिसिप्लिनरी और इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च करने वाले स्नातक और शोध छात्रों के लिए एक मूल्यवान और व्यापक संसाधन साबित होगा। पुस्तक अमेज़न, और स्प्रिंगर सहित प्रमुख ऑनलाइन विक्रेताओं द्वारा बेची जा रही है।

इस पुस्तक में कोविड -19 के विभिन्न आयामों के बारे में 22 अध्याय हैं, जिसमें विभिन्न रूपों के कोरोनावायरस, महामारी पूर्वानुमान मॉडल, निगरानी और ट्रैकिंग प्रणाली, कोविड -19 के लिए सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण प्रणाली आदि शामिल हैं।

डॉ रज़ा ने जामिया से कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग के क्षेत्र में पीएचडी हैं। इससे पहले, वह मिस्र के काहिरा स्थित ऐन शम्स विश्वविद्यालय में आईसीसीआर चेअर प्रोफेसर रहे हैं। प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और विज्ञान सम्मेलनों में 60 से अधिक शोध लेखों में उनका योगदान है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक